Sharad Kumar Saxena

16 Feb 1981

05:30 AM

Purulia

Model: Web-VarshDetails

Order No: 120753301

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
15-16/02/1981	जन्म तिथि	**16/02/2026**
रवि-सोमवार	दिन	सोमवार
घंटे 05:30:00	जन्म समय	18:37:47 घंटे
घटी 58:01:00	जन्म समय(घटी)	30:52:20 घटी
India	देश	India
Purulia	स्थान	Purulia
उत्तर 23:19:55	अक्षांश	23:19:55 उत्तर
पूर्व 86:21:41	रेखांश	86:21:41 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:15:27	स्थानिक संस्कार	00:15:27 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:17:36	सूर्योदय	06:16:51
17:40:39	सूर्यास्त	17:40:42
23:35:24	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:27
मकर	लग्न	सिंह
शनि	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
मिथुन	राशि	मकर
बुध	राशि-स्वामी	शनि
पुनर्वसु	नक्षत्र	श्रवण
गुरु	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
3	चरण	4
आयुष्मान	योग	वरियान
कौलव	करण	चतुष्पाद
हा-हरीश	जन्म नामाक्षर	खो-खोमनी
कुम्भ	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ
शूद्र	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	जलचर
मार्जार	योनि	वानर
देव	गण	देव
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
मेष	वर्ग	मार्जार
45	गत/तत्कालिक वर्ष	46

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
श्रवण	3	18:33:18	मक			लग्न			सिंह	17:19:52	2	पू०फाल्गुनी
धनिष्ठा	4	03:38:31	कुंभ			सूर्य			कुंभ	03:38:31	4	धनिष्ठा
पुनर्वसु	3	27:59:59	मिथु			चंद्र			मक	22:10:00	4	श्रवण
शतभिषा	3	13:33:47	कुंभ		अ	मंगल		अ	मक	24:42:37	1	धनिष्ठा
शतभिषा	1	06:46:18	कुंभ	व	अ	बुध			कुंभ	21:12:17	1	पू०भाद्रपद
हस्त	2	16:01:27	कन्या	व		गुरु	व		मिथु	21:41:26	1	पुनर्वसु
श्रवण	4	21:06:09	मक			शुक्र			कुंभ	13:26:09	3	शतभिषा
हस्त	2	15:29:48	कन्या	व		शनि			मीन	06:03:28	1	उ०भाद्रपद
आश्लेषा	1	17:19:06	कर्क			राहु	व		कुंभ	14:43:51	3	शतभिषा
श्रवण	3	17:19:06	मक			केतु	व		सिंह	14:43:51	1	पू०फाल्गुनी
अनुराधा	1	06:23:22	वृश्चि			मु			तुला	18:33:18	4	स्वाति

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

वर्ष - विवरण

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:27

लग्न-चलित

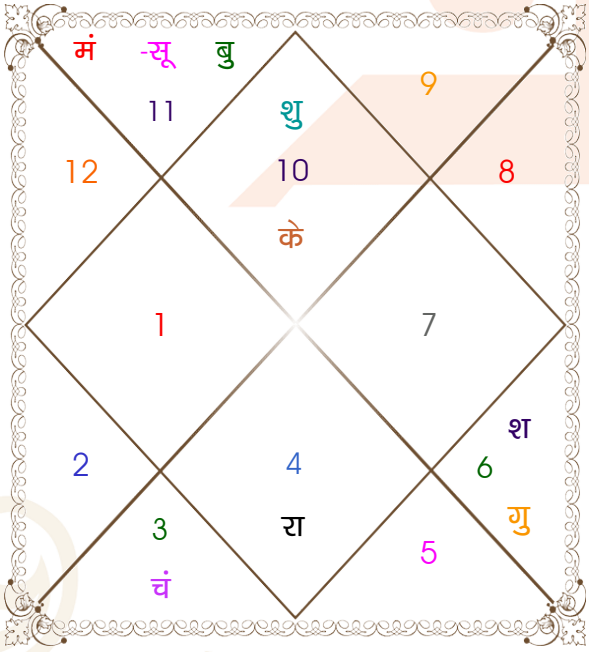

वर्ष लग्न कुंडली

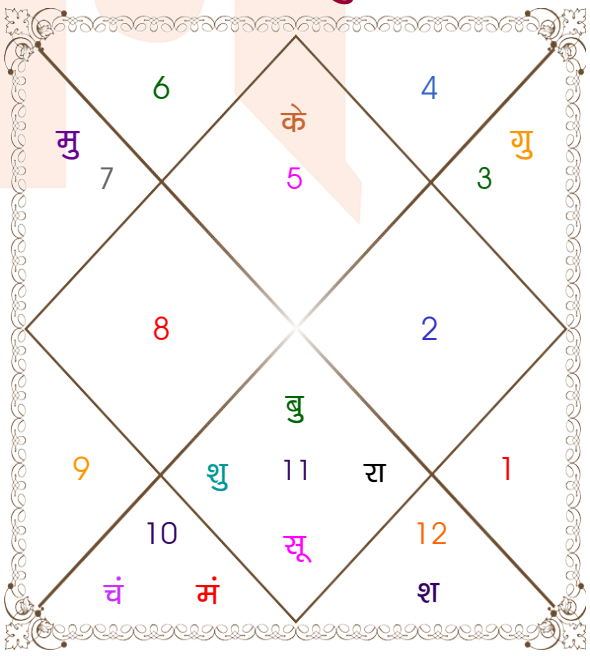

चन्द्र कुंडली

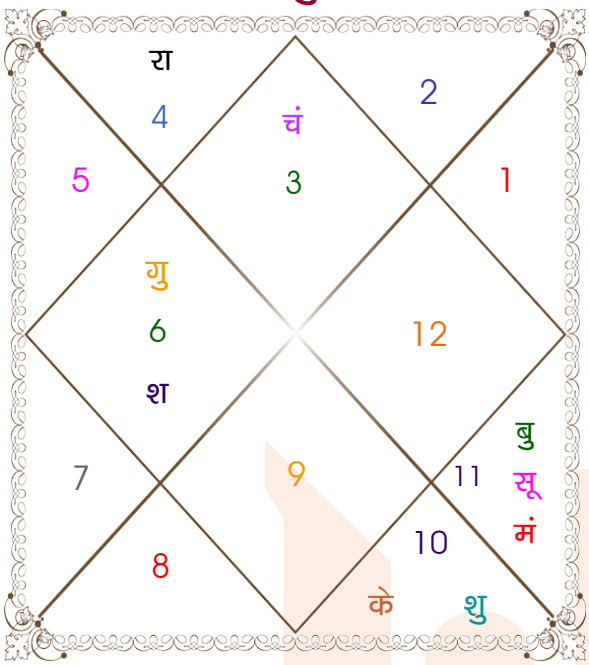

वर्ष चन्द्र कुंडली

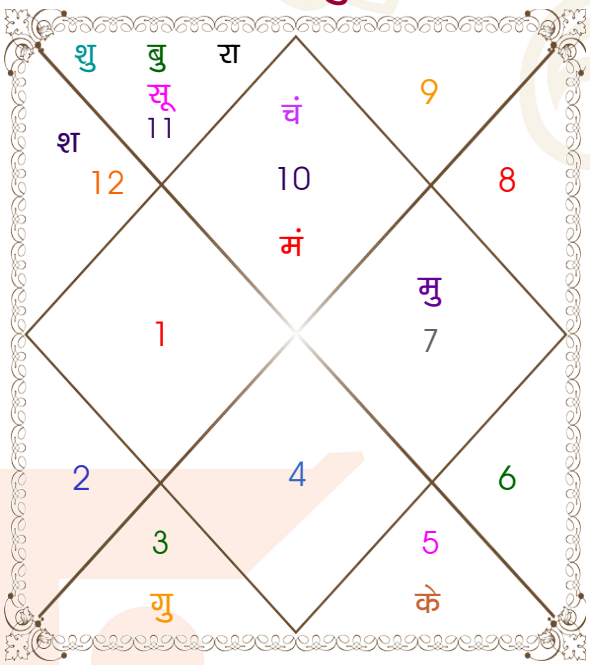

नवमांश कुंडली

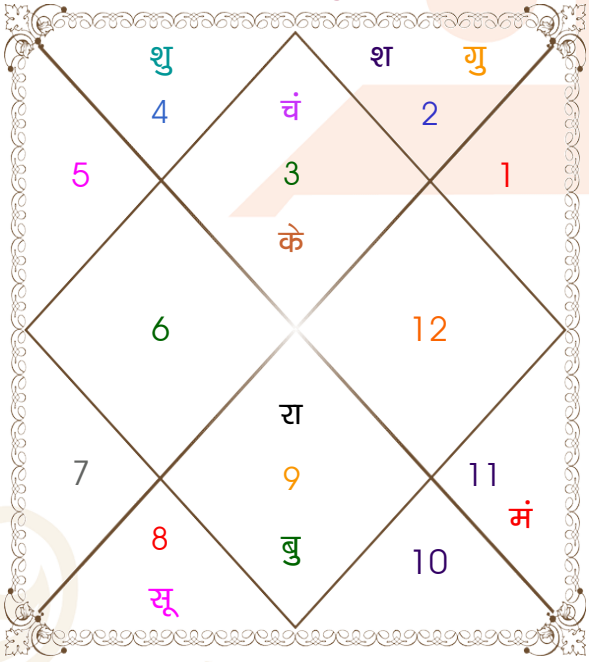

वर्ष नवमांश कुंडली

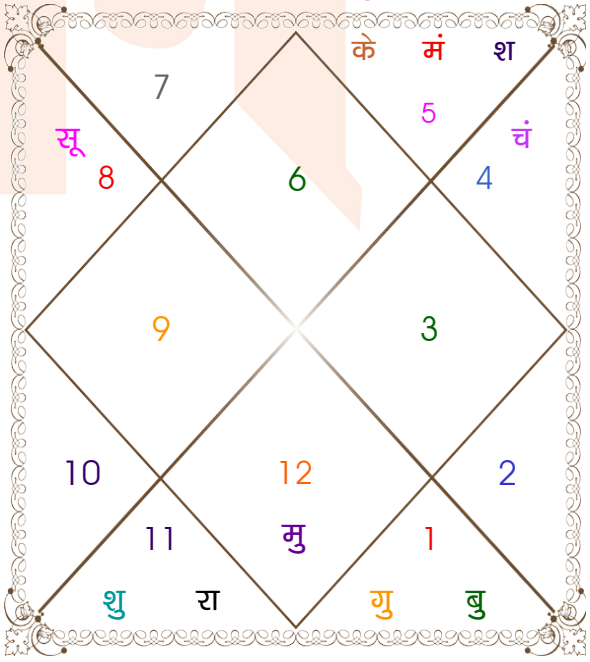

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	सम	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु	सम
चन्द्र	सम	---	शत्रु	सम	सम	सम	मित्र
मंगल	सम	शत्रु	---	सम	सम	सम	मित्र
बुध	शत्रु	सम	सम	---	मित्र	शत्रु	सम
गुरु	मित्र	सम	सम	मित्र	---	मित्र	शत्रु
शुक्र	शत्रु	सम	सम	शत्रु	मित्र	---	सम
शनि	सम	मित्र	मित्र	सम	शत्रु	सम	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	सिंह	कुंभ	मक	मक	कुंभ	मिथु	कुंभ	मीन
होरा	कर्क	सिंह	सिंह	सिंह	कर्क	कर्क	सिंह	कर्क
द्रेष्काण	धनु	तुला	सिंह	सिंह	कर्क	सिंह	मिथु	मक
चतुर्थांश	कुंभ	कुंभ	कर्क	तुला	सिंह	धनु	वृष	मीन
पंचमांश	धनु	मेष	मक	वृश्चि	मिथु	मिथु	धनु	कन्या
षष्ठांश	कर्क	मेष	कुंभ	कुंभ	सिंह	सिंह	मिथु	वृश्चि
सप्तमांश	धनु	कुंभ	धनु	धनु	मिथु	वृश्चि	वृष	तुला
अष्टमांश	धनु	सिंह	कन्या	तुला	मक	तुला	वृश्चि	मिथु
नवमांश	कन्या	वृश्चि	कर्क	सिंह	मेष	मेष	कुंभ	सिंह
दशमांश	मक	मीन	मेष	वृष	कन्या	मक	मिथु	मक
एकादशांश	मक	कुंभ	सिंह	कन्या	सिंह	धनु	वृष	मेष
द्वादशांश	कुंभ	मीन	कन्या	तुला	तुला	कुंभ	कर्क	वृष

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	सम	मित्र	मित्र	सम	मित्र	सम	शत्रु
होरा	स्व	सम	सम	सम	सम	शत्रु	मित्र
द्रेष्काण	शत्रु	सम	सम	सम	मित्र	शत्रु	स्व
चतुर्थांश	सम	स्व	सम	शत्रु	स्व	स्व	शत्रु
पंचमांश	सम	मित्र	स्व	स्व	मित्र	मित्र	सम
षष्ठांश	सम	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र
सप्तमांश	सम	सम	सम	स्व	सम	स्व	सम
अष्टमांश	स्व	सम	सम	सम	मित्र	सम	सम
नवमांश	सम	स्व	सम	सम	सम	सम	सम
दशमांश	मित्र	शत्रु	सम	स्व	शत्रु	शत्रु	स्व
एकादशांश	सम	सम	सम	शत्रु	स्व	स्व	मित्र
द्वादशांश	मित्र	सम	सम	शत्रु	शत्रु	सम	सम
शुभ	4	5	3	3	7	4	5
सम	7	6	9	5	3	4	5
अशुभ	1	1	0	4	2	4	2
कुल	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	शुभ	सम	शुभ

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	5	0	5	0	0
द्वितीय बल	0	0	5	0	0	0	0
तृतीय बल	0	0	5	5	5	5	5
चतुर्थ बल	0	5	0	5	0	5	5
कुल	0	5	15	10	10	10	10
बल	अतिक्षीण	क्षीण	बली	सामान्य	सामान्य	सामान्य	सामान्य

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	15.00	22.50	22.50	15.00	22.50	15.00	7.50
उच्च बल	12.63	8.80	19.63	2.64	18.52	15.16	4.88
हददा बल	3.75	11.25	11.25	7.50	7.50	11.25	7.50
द्रेष्काण	2.50	5.00	5.00	5.00	7.50	2.50	10.00
नवमांश	2.50	5.00	2.50	2.50	2.50	2.50	2.50
कुल	36.38	52.55	60.88	32.64	58.52	46.41	32.38
विंशोपक	9.09	13.14	15.22	8.16	14.63	11.60	8.10
बल	सामान्य	शुभ	बली	सामान्य	शुभ	शुभ	सामान्य

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	शनि	8.10	दृष्टि नहीं	
वर्ष लग्नाधिपति	सूर्य	9.09	अति अशुभ	
मुन्था लग्नाधिपति	शुक्र	11.60	अति अशुभ	शुक्र
दिवापति	शनि	8.10	दृष्टि नहीं	
त्रिराशिपति	सूर्य	9.09	अति अशुभ	

सहम

सहम जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रदर्शित करने वाली विशेष स्थिति या बिन्दु है। ग्रह या भावों के विपरीत सहम जीवन की एक ही घटना से संबंध रखता है। आचार्य नीलकंठ के अनुसार सहम 50 हैं। यदि सहम और इसका स्वामी शुभ हो या शुभदृष्ट हो तो यह सांकेतिक घटना के लिए शुभ फल प्रदान करता है। ताजिक शास्त्र के अनुसार किसी भी घटना की अवधि को इसकी स्थिति, स्वामी तथा उस राशि की स्थिति से ज्ञात किया जाता है जिसमें यह स्थित है। नीचे सहमों की गणना करके उनकी संभावित तिथियां दी गई हैं जो अग्रिम फलादेश में सहायक सिद्ध हो सकेंगी।

सहम	राशि	अंश	स्वा	घटना तिथि
पुण्य	कन्या	28:48:23	बुध	17/09/2026
गुरु	सिंह	05:51:21	सूर्य	16/07/2026
ज्ञान	सिंह	05:51:21	सूर्य	16/07/2026
यश	वृश्चिक	24:26:49	मंगल	21/01/2027
मित्र	वृष	06:23:10	शुक्र	29/04/2026
माहात्म्य	मकर	13:14:06	शनि	16/01/2027
आशा	कर्क	24:42:33	चन्द्र	02/07/2026
समर्थ	कन्या	26:15:45	बुध	14/09/2026
भातृ	मकर	02:57:49	शनि	05/01/2027
गौरव	कन्या	04:07:06	बुध	24/08/2026
राजा	कर्क	14:54:55	चन्द्र	25/06/2026
पितृ	कर्क	14:54:55	चन्द्र	25/06/2026
मातृ	तुला	08:36:00	शुक्र	03/11/2026
सुत	कुम्भ	16:51:17	शनि	05/03/2027
जीव	वृष	01:41:54	शुक्र	25/04/2026
अम्बु	तुला	08:36:00	शुक्र	03/11/2026
कर्म	तुला	13:49:31	शुक्र	09/11/2026
रोग	मकर	22:10:00	शनि	26/01/2027
कामदेव	कन्या	28:48:23	बुध	17/09/2026
कलि	मीन	20:21:04	गुरु	16/12/2026
क्षेम	मीन	20:21:04	गुरु	16/12/2026
शास्त्र	वृश्चिक	05:34:19	मंगल	31/12/2026
बन्धु	तुला	16:22:08	शुक्र	12/11/2026
बंधक	तुला	16:22:08	शुक्र	12/11/2026
मृत्यु	वृष	01:10:05	शुक्र	25/04/2026

सहम

सहम	राशि	अंश	स्वा	घटना तिथि
परदेश	धनु	09:50:36	गुरु	24/08/2026
अर्थ	मीन	13:24:12	गुरु	08/12/2026
परदारा	कन्या	27:07:30	बुध	15/09/2026
अन्यकर्म	कर्क	03:26:24	चन्द्र	16/06/2026
वणिक	कर्क	18:17:35	चन्द्र	27/06/2026
कार्यसिद्धि	मेष	08:28:25	मंगल	03/05/2026
विवाह	कर्क	24:42:33	चन्द्र	02/07/2026
प्रसूति	मकर	17:49:01	शनि	21/01/2027
संताप	मेष	01:10:05	मंगल	25/04/2026
श्रद्धा	तुला	06:03:23	शुक्र	31/10/2026
प्रीति	कर्क	24:22:50	चन्द्र	02/07/2026
बल	वृश्चिक	24:26:49	मंगल	21/01/2027
देह	वृश्चिक	24:26:49	मंगल	21/01/2027
जाडय	कुम्भ	09:51:26	शनि	25/02/2027
व्यापार	कर्क	20:50:12	चन्द्र	29/06/2026
जलपतन	कुम्भ	09:51:26	शनि	25/02/2027
शत्रु	कर्क	05:59:01	चन्द्र	18/06/2026
शौर्य	मेष	21:25:37	मंगल	16/05/2026
उपाय	वृष	01:41:54	शुक्र	25/04/2026
दरिद्रता	कन्या	28:48:23	बुध	17/09/2026
गुरुता	वृश्चिक	23:41:21	मंगल	20/01/2027
जलपथ	मकर	26:16:24	शनि	30/01/2027
बंधन	मीन	10:04:46	गुरु	05/12/2026
कन्या	तुला	08:36:00	शुक्र	03/11/2026
अश्व	कुम्भ	12:23:13	शनि	27/02/2027

वर्ष त्रिपताकी कुंडली

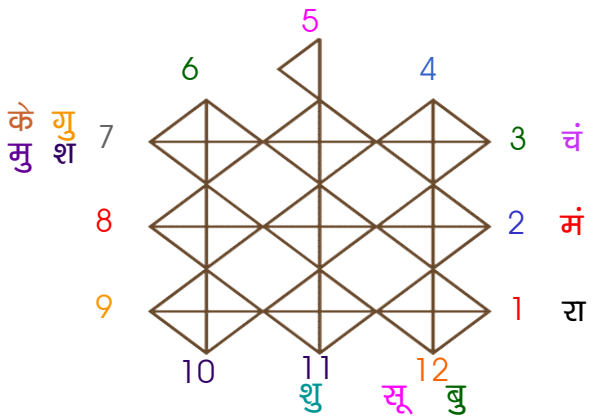

पात्यंश दशा

सूर्य		शनि		शुक्र		लग्न		बुध	
16/02/2026		11/04/2026		17/05/2026		03/09/2026		30/10/2026	
11/04/2026		17/05/2026		03/09/2026		30/10/2026		27/12/2026	
सूर्य	24/02/2026	शनि	15/04/2026	शुक्र	18/06/2026	लग्न	12/09/2026	बुध	08/11/2026
शनि	01/03/2026	शुक्र	25/04/2026	लग्न	06/07/2026	बुध	21/09/2026	गुरु	10/11/2026
शुक्र	18/03/2026	लग्न	01/05/2026	बुध	23/07/2026	गुरु	22/09/2026	चंद्र	11/11/2026
लग्न	26/03/2026	बुध	06/05/2026	गुरु	25/07/2026	चंद्र	23/09/2026	मंगल	17/11/2026
बुध	03/04/2026	गुरु	07/05/2026	चंद्र	27/07/2026	मंगल	29/09/2026	सूर्य	25/11/2026
गुरु	05/04/2026	चंद्र	08/05/2026	मंगल	07/08/2026	सूर्य	08/10/2026	शनि	01/12/2026
चंद्र	06/04/2026	मंगल	12/05/2026	सूर्य	23/08/2026	शनि	13/10/2026	शुक्र	18/12/2026
मंगल	11/04/2026	सूर्य	17/05/2026	शनि	03/09/2026	शुक्र	30/10/2026	लग्न	27/12/2026

गुरु		चंद्र		मंगल		सूर्य	
27/12/2026		03/01/2027		10/01/2027		17/02/2027	
03/01/2027		10/01/2027		17/02/2027		00/00/0000	
गुरु	27/12/2026	चंद्र	03/01/2027	मंगल	14/01/2027	सूर्य	17/02/2027
चंद्र	27/12/2026	मंगल	04/01/2027	सूर्य	19/01/2027		00/00/0000
मंगल	28/12/2026	सूर्य	05/01/2027	शनि	23/01/2027		00/00/0000
सूर्य	29/12/2026	शनि	05/01/2027	शुक्र	03/02/2027		00/00/0000
शनि	29/12/2026	शुक्र	08/01/2027	लग्न	09/02/2027		00/00/0000
शुक्र	01/01/2027	लग्न	09/01/2027	बुध	15/02/2027		00/00/0000
लग्न	02/01/2027	बुध	10/01/2027	गुरु	16/02/2027		00/00/0000
बुध	03/01/2027	गुरु	10/01/2027	चंद्र	17/02/2027		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

मुद्दा दशा

गुरु		शनि		बुध		केतु		शुक्र	
16/02/2026		06/04/2026		03/06/2026		25/07/2026		15/08/2026	
06/04/2026		03/06/2026		25/07/2026		15/08/2026		15/10/2026	
गुरु	23/02/2026	शनि	15/04/2026	बुध	10/06/2026	केतु	26/07/2026	शुक्र	25/08/2026
शनि	02/03/2026	बुध	23/04/2026	केतु	13/06/2026	शुक्र	29/07/2026	सूर्य	28/08/2026
बुध	09/03/2026	केतु	27/04/2026	शुक्र	22/06/2026	सूर्य	30/07/2026	चंद्र	02/09/2026
केतु	12/03/2026	शुक्र	06/05/2026	सूर्य	24/06/2026	चंद्र	01/08/2026	मंगल	06/09/2026
शुक्र	20/03/2026	सूर्य	09/05/2026	चंद्र	29/06/2026	मंगल	02/08/2026	राहु	15/09/2026
सूर्य	23/03/2026	चंद्र	14/05/2026	मंगल	02/07/2026	राहु	06/08/2026	गुरु	23/09/2026
चंद्र	27/03/2026	मंगल	17/05/2026	राहु	09/07/2026	गुरु	08/08/2026	शनि	03/10/2026
मंगल	30/03/2026	राहु	26/05/2026	गुरु	16/07/2026	शनि	12/08/2026	बुध	11/10/2026
राहु	06/04/2026	गुरु	03/06/2026	शनि	25/07/2026	बुध	15/08/2026	केतु	15/10/2026

सूर्य		चंद्र		मंगल		राहु		राहु	
15/10/2026		02/11/2026		02/12/2026		24/12/2026		24/12/2026	
02/11/2026		02/12/2026		24/12/2026		17/02/2027		17/02/2027	
सूर्य	16/10/2026	चंद्र	05/11/2026	मंगल	04/12/2026	राहु	01/01/2027	राहु	01/01/2027
चंद्र	17/10/2026	मंगल	06/11/2026	राहु	07/12/2026	गुरु	08/01/2027	गुरु	08/01/2027
मंगल	18/10/2026	राहु	11/11/2026	गुरु	10/12/2026	शनि	17/01/2027	शनि	17/01/2027
राहु	21/10/2026	गुरु	15/11/2026	शनि	13/12/2026	बुध	25/01/2027	बुध	25/01/2027
गुरु	23/10/2026	शनि	20/11/2026	बुध	16/12/2026	केतु	28/01/2027	केतु	28/01/2027
शनि	26/10/2026	बुध	24/11/2026	केतु	17/12/2026	शुक्र	06/02/2027	शुक्र	06/02/2027
बुध	29/10/2026	केतु	26/11/2026	शुक्र	21/12/2026	सूर्य	09/02/2027	सूर्य	09/02/2027
केतु	30/10/2026	शुक्र	01/12/2026	सूर्य	22/12/2026	चंद्र	13/02/2027	चंद्र	13/02/2027
शुक्र	02/11/2026	सूर्य	02/12/2026	चंद्र	24/12/2026	मंगल	17/02/2027	मंगल	17/02/2027

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

केतु - चंद्र - शुक्र	
28/11/2025 22:19	
03/01/2026 10:34	
शुक्र	04/12/2025 20:22
सूर्य	06/12/2025 14:59
चंद्र	09/12/2025 14:00
मंगल	11/12/2025 15:43
राहु	16/12/2025 23:33
गुरु	21/12/2025 17:11
शनि	27/12/2025 08:07
बुध	01/01/2026 08:52
केतु	03/01/2026 10:34

केतु - चंद्र - सूर्य	
03/01/2026 10:34	
14/01/2026 02:15	
सूर्य	03/01/2026 23:21
चंद्र	04/01/2026 20:40
मंगल	05/01/2026 11:35
राहु	07/01/2026 01:56
गुरु	08/01/2026 12:01
शनि	10/01/2026 04:30
बुध	11/01/2026 16:43
केतु	12/01/2026 07:38
शुक्र	14/01/2026 02:15

केतु - मंगल - मंगल	
14/01/2026 02:15	
22/01/2026 19:03	
मंगल	14/01/2026 14:26
राहु	15/01/2026 21:45
गुरु	17/01/2026 01:35
शनि	18/01/2026 10:39
बुध	19/01/2026 16:14
केतु	20/01/2026 04:25
शुक्र	21/01/2026 15:13
सूर्य	22/01/2026 01:39
चंद्र	22/01/2026 19:03

केतु - मंगल - राहु	
22/01/2026 19:03	
14/02/2026 03:58	
राहु	26/01/2026 03:35
गुरु	29/01/2026 03:11
शनि	01/02/2026 16:11
बुध	04/02/2026 20:15
केतु	06/02/2026 03:34
शुक्र	09/02/2026 21:03
सूर्य	10/02/2026 23:54
चंद्र	12/02/2026 20:39
मंगल	14/02/2026 03:58

केतु - मंगल - गुरु	
14/02/2026 03:58	
06/03/2026 01:14	
गुरु	16/02/2026 19:36
शनि	19/02/2026 23:10
बुध	22/02/2026 18:47
केतु	23/02/2026 22:37
शुक्र	27/02/2026 06:10
सूर्य	28/02/2026 06:02
चंद्र	01/03/2026 21:48
मंगल	03/03/2026 01:38
राहु	06/03/2026 01:14

केतु - मंगल - शनि	
06/03/2026 01:14	
29/03/2026 15:58	
शनि	09/03/2026 18:58
बुध	13/03/2026 03:15
केतु	14/03/2026 12:19
शुक्र	18/03/2026 10:46
सूर्य	19/03/2026 15:06
चंद्र	21/03/2026 14:20
मंगल	22/03/2026 23:24
राहु	26/03/2026 12:24
गुरु	29/03/2026 15:58

केतु - मंगल - बुध	
29/03/2026 15:58	
19/04/2026 19:04	
बुध	01/04/2026 15:49
केतु	02/04/2026 21:23
शुक्र	06/04/2026 09:54
सूर्य	07/04/2026 11:16
चंद्र	09/04/2026 05:31
मंगल	10/04/2026 11:06
राहु	13/04/2026 15:10
गुरु	16/04/2026 10:46
शनि	19/04/2026 19:04

केतु - मंगल - केतु	
19/04/2026 19:04	
28/04/2026 11:52	
केतु	20/04/2026 07:15
शुक्र	21/04/2026 18:03
सूर्य	22/04/2026 04:29
चंद्र	22/04/2026 21:53
मंगल	23/04/2026 10:04
राहु	24/04/2026 17:23
गुरु	25/04/2026 21:13
शनि	27/04/2026 06:17
बुध	28/04/2026 11:52

केतु - मंगल - शुक्र	
28/04/2026 11:52	
23/05/2026 08:26	
शुक्र	02/05/2026 15:18
सूर्य	03/05/2026 21:07
चंद्र	05/05/2026 22:50
मंगल	07/05/2026 09:38
राहु	11/05/2026 03:07
गुरु	14/05/2026 10:40
शनि	18/05/2026 09:07
बुध	21/05/2026 21:38
केतु	23/05/2026 08:26

केतु - मंगल - सूर्य	
23/05/2026 08:26	
30/05/2026 19:25	
सूर्य	23/05/2026 17:23
चंद्र	24/05/2026 08:18
मंगल	24/05/2026 18:44
राहु	25/05/2026 21:35
गुरु	26/05/2026 21:27
शनि	28/05/2026 01:47
बुध	29/05/2026 03:09
केतु	29/05/2026 13:35
शुक्र	30/05/2026 19:25

केतु - मंगल - चंद्र	
30/05/2026 19:25	
12/06/2026 05:42	
चंद्र	31/05/2026 20:16
मंगल	01/06/2026 13:40
राहु	03/06/2026 10:25
गुरु	05/06/2026 02:11
शनि	07/06/2026 01:25
बुध	08/06/2026 19:40
केतु	09/06/2026 13:04
शुक्र	11/06/2026 14:47
सूर्य	12/06/2026 05:42

केतु - राहु - राहु	
12/06/2026 05:42	
08/08/2026 18:21	
राहु	20/06/2026 20:48
गुरु	28/06/2026 12:53
शनि	07/07/2026 15:29
बुध	15/07/2026 19:04
केतु	19/07/2026 03:37
शुक्र	28/07/2026 17:43
सूर्य	31/07/2026 14:45
चंद्र	05/08/2026 09:48
मंगल	08/08/2026 18:21

वर्ष योग

इक्कबाल योग

यदि वर्ष कुंडली में सभी ग्रह केन्द्र (1, 4, 7, 10) और पणफर (2, 5, 8, 11) स्थानों में हो तो इक्कबाल नामक योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इन्दुवार योग

वर्ष कुंडली में यदि सूर्यादि सभी ग्रह आपीक्लिम (3, 6, 9, 12) स्थानों में हो तो इन्दुवार योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इत्थशाल योग

यदि लग्नेश और अन्य ग्रह (कार्येश) की परस्पर दृष्टि हो तथा दोनों ग्रह दीप्तांशों के अन्तर्गत हों तो इत्थशाल योग होता है। यह तीन प्रकार का होता है। वर्तमान, सम्पूर्ण और भविष्यत। सम्पूर्ण इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगति ग्रह से 1 कला के अंतर पर हो। वर्तमान इत्थशाल में शीघ्रगति वाले ग्रह के अंश कम एवं मन्दगति ग्रह के अंश अधिक हों तथा दोनों की परस्पर दृष्टि हो। भविष्यत इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगति ग्रह राशि के अन्तिम अंश में हो तथा दूसरी राशि पर मन्द गति ग्रह हो परन्तु मध्यान्तर दीप्तांशो के अन्तर्गत हों।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इसराफ योग

यदि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगामी ग्रह से आगे हो तो इसराफ योग होता है यह इत्थशाल का विपरीत होता है।

इसराफ योग मन्दगति ग्रह सूर्य (कुंभ 03:38:31), एवं शीघ्र गति ग्रह शुक्र (कुंभ 13:26:09), के मध्य बन रहा है।

वर्ष कुंडली में यह योग अच्छा नहीं समझा जाता है । अतः इसके प्रभाव से इस समय आपको बन्धु एवं मित्रवर्ग से वांछित सहयोग एवं लाभ अल्प मात्रा में मिलेगा तथा परस्पर संबंधों में भी मधुरता में कमी आएगी। साथ ही मन में आत्मविश्वास एवं उत्साह के भाव में न्यूनता रहेगी। कार्य क्षेत्र में भी लाभ एवं उन्नति की दृष्टि से समय अच्छा नहीं होगा। इस समय नौकरी में पदोन्नति संबंधी या अन्य समस्याएं उत्पन्न होगीं तथा अधिकारी वर्ग से मतभेद हो सकता है। व्यापार में भी लाभ मार्ग अवरुद्ध होंगे। अतः कोई नवीन कार्य या विस्तार की योजना पर अमल न करें। राजनीति में सक्रिय लोग भी ऐसे समय में किसी सकारात्मक

उन्नति की अपेक्षा न करे तथा संयम एवं धैर्य पूर्वक समय व्यतीत करें।

नक्त योग

यदि लग्नेश और कार्येश में दृष्टि न हो और उन दोनों के मध्य दीप्तांशों के अन्तर्गत ऐसा शीघ्रगामी ग्रह हो जो लग्नेश और कर्मेश को देखता हो तो एक ग्रह के तेज को लेकर दूसरों को देता है। इस योग में किसी तीसरे व्यक्ति की सहायता से कार्य बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

यमया योग

यदि लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि न हो और कोई मन्दगति वाला ग्रह दीप्ताशों के अन्तर्गत हो तथा दोनों को देखता हो तो वह शीघ्रगति ग्रह मन्दगति वाले ग्रह को दे देता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

मणऊ योग

यदि लग्नेश एवं कर्मेश में इत्थशाल हो किन्तु कोई पाप ग्रह दोनों को या एक को भी शत्रु दृष्टि से देखता हो तथा दीप्तांशों के अन्तर्गत हो तो मणऊ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कम्बूल योग

यदि लग्नेश और कार्येश में परस्पर इत्थशाल हो तथा इन दोनों में एक से भी चन्द्रमा इत्थशाल करता हो तो कम्बूल योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

गैरी कम्बूल योग

लग्नेश एवं कार्येश दोनों का इत्शाल हो परंतु चन्द्रमा की इन पर दृष्टि न हो किन्तु वही चन्द्रमा बलवान होकर अग्रिम राशि में जाकर किसी अन्य बलवान ग्रह से इत्थशाल करे तो गैरी कम्बूल योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

खल्लासर योग

लग्नेश और कार्येश का परस्पर इत्थशाल हो लेकिन शून्यमार्गी चन्द्रमा किसी से इत्थशाल न करता हो तो खल्लासर नामक योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

रदद योग

यदि लग्नेश और कार्येश में कोई ग्रह अस्त नीच शत्रु क्षेत्री अथवा 6, 8, 12 में हो और परस्पर इत्थशाली हो, कूर ग्रह से युक्त या दृष्ट हो तो रदद नामक योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुफालिकुत्थ योग

लग्नेश और कार्येश में इत्थशाल हो (1) इन दोनों में से मन्दगति वाला ग्रह अपनी उच्च राशि /स्वराशि /नवांश / द्रेष्काण आदि में बलवान हो तथा (2) शीघ्रगामी ग्रह अपनी उच्च स्वराशि में न हो तथा निर्बल हो तो दुफालिकुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुत्थकुत्थीर योग

यदि लग्नेश और कार्येश निर्बल होकर इत्थशाल करें और उनमें से एक किसी ग्रह से जो अपने उच्च या स्वगृह में बैठा हो, बलवान हो इत्थशाल करे तो दुत्थकुत्थीर योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

तम्बीर योग

इस योग में लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि नहीं होती किन्तु इन दोनों में से कोई एक ग्रह राशि के अन्त में होता है एवं आगामी राशि में स्वगृही ग्रह से दीप्तांशों के अन्तर्गत इत्थशाल करता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कुत्थ योग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश कार्येश बलवान हों तो कुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुरूफ योग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश एवं कार्येश निर्बल हो तो दुरूफयोग बनता है।

इस वर्ष आपकी वर्ष कुंडली में लग्नेश एवं कार्येश दुर्बल है अतः दुरूपयोग बन रहा है।

इस योग के प्रभाव इस वर्ष आपको स्त्री से पूर्ण सुख एवं सहयोग की प्राप्त होगी तथा दाम्पत्य जीवन सुखपूर्वक व्यतीत होगा। इस समय अविवाहितों के विवाह होने के भी प्रबल योग बनेंगे। साझेदार से इस समय आपको वांछित लाभ एवं सहयोग मिलेगा तथा जो

लोग राजनीति के क्षेत्र में सक्रिय है उन्हें राजनैतिक लाभ की अवश्य प्राप्ति होगी। कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता के लिए भी वर्ष श्रेष्ठ माना जाएगा। इस समय नौकरी में पदोन्नति होगी जिससे मान सम्मान एवं धन की वृद्धि होगी। व्यापारी वर्ग के लिए वर्ष उत्तम फलदायक सिद्ध होगा तथा उनके कार्य में विस्तार होगा जिससे आर्थिक सुदृढ़ता बनेगी। अतः वर्ष का लाभ उठाने के लिए सतत प्रयत्नशील रहना चाहिए।

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे तथा इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी प्राप्त होंगी। मानसिक रूप से भी इस समय आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा मन में शान्ति बनी रहेगी। विभिन्न शास्त्रों को ज्ञानार्जन में इस समय आपकी रूचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक इनका ज्ञान प्राप्त करेंगे। साथ ही रत्न आदि की भी प्राप्ति होगी एवं मिष्ठान्न भोजन के प्रति विशेष रूचि रहेगी । इस समय आप सर्व भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करेंगे तथा आनन्द पूर्वक उनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपके प्रताप तथा प्रभाव में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष को पराजित करने में भी आप समर्थ रहेंगे तथा वे आपसे भयभीत रहेंगे। स्त्री पक्ष से इस समय आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा समयानुसार लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। इस समय आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपका यश भी व्याप्त होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति की दृष्टि से यह वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति तथा विस्तार होगा तथा सर्वत्र लाभ एवं सफलता के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी इस समय आपको इच्छित उन्नति प्राप्त होगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या नेताओं से भी आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे यथोचित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। खेल के क्षेत्र में भी इस समय आप इच्छित सफलता प्राप्त कर सकते है। आर्थिक स्थिति भी आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः सुख एवं आनन्दपूर्वक आपका यह वर्ष व्यतीत होगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आप अपने सांसारिक कार्यो को सम्पन्न करेंगे। इस समय आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा समाज में अपना प्रभाव स्थापित करने में आप समर्थ रहेंगे। साथ ही आपकी मान प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित आदर प्रदान करेंगे। धार्मिक कार्यो के प्रति आपके मन में इस समय श्रद्धा रहेगी तथा किसी शुभ एवं पुण्य कार्य को करने में आप रूचिशील रहेंगे।देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आप श्रद्धालु रहेंगे तथा श्रद्धा पूर्वक इनका पूजन करेंगे। साथ ही अन्य लोगों के परोपकार संबधी कार्य को करने में भी उद्यत रहेंगे तथा परोपकार सबंधी कार्यो में अपना सहयोग प्रदान करेंगे। इस समय आप स्वपराक्रम से विभिन्न प्रकार के सुख संसाधनों को भी अर्जित करेंगे।

इस वर्ष में भाइयों , मित्रों तथा संबधियों से आपको पूर्ण सुख सहयोग एवं लाभ प्राप्त होगा तथा इनके मध्य आपके मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी । इस समय राजनैतिक नेताओं या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको सहयोग मिलेगा तथा आपके लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। इसके साथ ही आपके मानसिक संकल्प भी इस समय पूर्ण होंगे तथा विगत रूके हुए कार्यो में भी आपको कार्य सिद्धि मिलेगी। साथ ही इस वर्ष में आप कोई तीर्थ यात्रा करने के भी इच्छुक रहेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं शान्तिपूर्ण रहेगा।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्यतया अच्छा रहेगा तथा मानसिक शान्ति तथा प्रसन्नता भी बनी रहेगी । आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष अनुकूल रहेगा तथा आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ की प्राप्ति होती रहेगी परन्तु यदा कदा व्यय भी अधिक मात्रा में होगा परन्तु इसका आर्थिक स्थिति पर कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ेगा। साथ ही शत्रु पक्ष इस समय प्रबल रहेगा तथा आपके लिए समय समय पर समस्याएं उत्पन्न करेगा परन्तु उनका सामना करने में आप समर्थ रहेंगे तथा अन्त में उन पर विजय प्राप्त करेंगे। इस समय संबधी एवं मित्र वर्ग से आपके संबध सामान्यतया अच्छे ही रहेंगे परन्तु उनसे अपेक्षित सहयोग एवं लाभ अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा। स्त्री का सुख एवं सहयोग इस समय आपको प्राप्त होगा तथा दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष मध्यम रहेगा तथा अत्यधिक पराक्रम एवं परिश्रम से ही इस क्षेत्र में आपको सफलता प्राप्त हो सकेगी। नौकरी या राजनीति में आपके उन्नति के अवसर बनेंगे तथा इनमें अनावश्यक विलम्ब तथा व्यवधान भी उत्पन्न होंगे अन्ततोगत्वा उन्नति को आप अवश्य प्राप्त करेंगे। व्यापार के क्षेत्र में भी आप परिश्रम पूर्वक न्यूनाधिक लाभ अर्जित करेंगे एवं कार्य में भी विस्तार की संभावना रहेगी। इसके अतिरिक्त इस समय आपकी दूर की कोई यात्रा भी सम्पन्न होगी परन्तु इसमें लाभ अल्प ही रहेगा तथापि यदि आप परिश्रम पूर्वक इस वर्ष में अपने कार्यो को सम्पन्न करेंगे तो निश्चित ही सफलताएं अर्जित कर सकेंगे।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा रहेगा तथा मानसिक शान्ति एवं सन्तुष्टि भी बनी रहेगी। इस समय आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य परिश्रम तथा उत्साह से सम्पन्न होंगे एवं इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। साथ ही इस समय आपके विगत रूके हुए कार्य पूर्ण होंगे एवं मानसिक संकल्पों में भी सफलता मिलेगी। पारिवारिक सुख शान्ति इस वर्ष उत्तम रहेगी तथा सभी लोग परस्पर मिल जुलकर रहेंगे। स्त्री से इस समय आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा आपसी संबंधों में भी मधुरता रहेगी। अतः आपका दाम्पत्य जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा। इस वर्ष में आपकी लाभ दायक यात्राएं होगी तथा भविष्य में भी इनसे लाभ की संभावनाएं बनेगी। साथ ही भौतिक सुख संसाधनों को भी आप अर्जित करेंगे एवं इनका आनन्दपूर्वक उपभोग करेंगे । मित्र एवं संबंधियों से भी आपके संबंध अच्छे रहेंगे तथा इनसे वांछित सहयोग की प्राप्ति होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपको इच्छित सफलता प्राप्त होगी तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे । नौकरी या राजनीति में भी आपकी पदोन्नति होगी तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस समय आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश में वृद्धि होगी एवं सभी लोग आपके पराकम एवं प्रभाव को स्वीकार करेंगे। इसके अतिरिक्त आर्थिक रूप से भी आपकी सुदृढ़ता बनी रहेगी। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं सौभाग्यशाली रहेगा।

प्रथम मास
16/02/2026 18:37:47 से 18/03/2026 16:47:22 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	पू०फाल्गुनी	17:19:52
सूर्य		कुम्भ	धनिष्ठा	03:38:31
चन्द्र		मकर	श्रवण	22:10:00
मंगल		मकर	धनिष्ठा	24:42:37
बुध		कुम्भ	पू०भाद्रपद	21:12:17
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	21:41:26
शुक्र		कुम्भ	शतभिषा	13:26:09
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	06:03:28
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:43:51
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:43:51
मुंथा		तुला	स्वाति	18:33:18

मासाधिपति

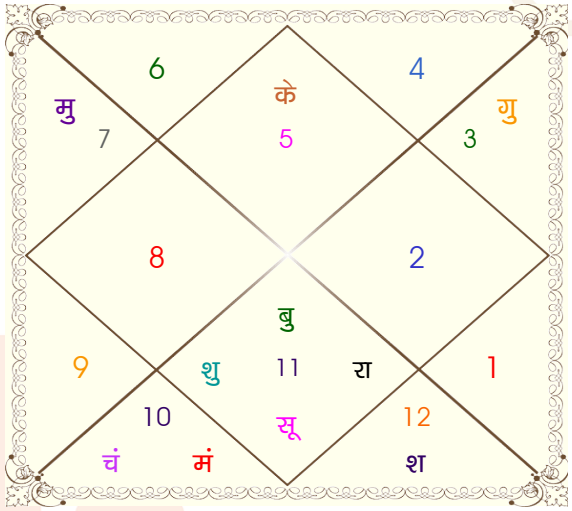

मासाधिपति : शुक्र

इस मास में आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार के सुखों को अर्जित करने में सफल होंगे।साथ ही समाज में आपका यश भी व्याप्त होगा।धर्म के प्रति आपके मन में आस्था होगी तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति श्रद्धा रखेंगे तथा श्रद्धापूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इस समय परोपकार की भावना भी आपके मन में उत्पन्न होगी तथा उच्चाधिकारी वर्ग के आश्रय से आप पूर्ण यशार्जन करेंगे एवं आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। साथ ही भाइयों से भी आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आप अपने मानसिक विचारों या संकल्पों को पूर्ण करने में भी सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य महिला सहयोगियों से भी आपको वांछित सहयोग प्राप्त होगा। आपकी बुद्धि भी निर्मल होगी एवं सम्पूर्ण मास आप उचित धन लाभ एवं सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा समाज में आप पूर्ण यश अर्जित करेंगे।

द्वितीय मास

18/03/2026 16:47:22 से 18/04/2026 02:48:11 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	पू०फाल्गुनी	19:03:02
सूर्य		मीन	उ०भाद्रपद	03:38:31
चन्द्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	26:04:36
मंगल		कुम्भ	शतभिषा	18:16:40
बुध	व	कुम्भ	शतभिषा	14:32:39
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	20:56:58
शुक्र		मीन	रेवती	20:42:13
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	09:38:07
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:45:13
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:45:13
मुंथा		तुला	विशाखा	21:03:18

मासाधिपति

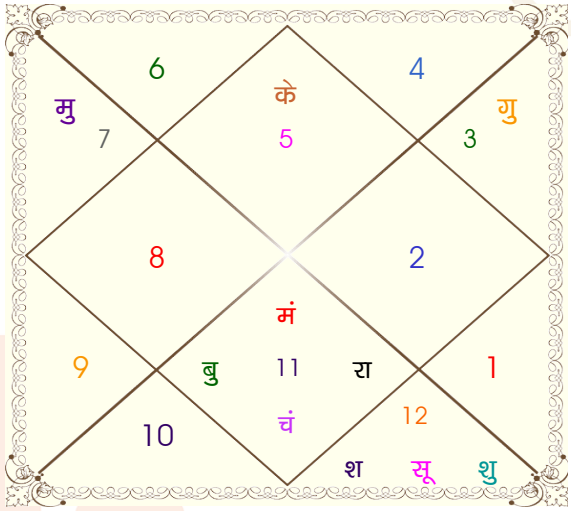

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए उत्तम रहेगा तथा इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार के सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज में आपको यश तथा सम्मान की भी प्रप्ति होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूजा तथा सत्कार की भावना उत्पन्न होगी। आप अन्य जनों की भलाई के लिए भी तत्पर रहेंगे एवं यत्नपूर्वक इसे सम्पन्न करेंगे। आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करके यश की प्रप्ति करेंगे। साथ ही आपकी मानप्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। इस मास भाइयों से आप पूर्ण सहयोग तथा सुख प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त अपने मानसिक विचारों तथा संकल्पों को भी पूर्ण करने में आप सफल रहेंगे।

साथ ही अन्य शुभ फलों के प्रभाव में भी नित्य वृद्धि होती रहेगी। इससे शरीर में आरोग्यता मन में संतुष्टि एवं बुद्धि के प्रभाव में वृद्धि होगी। जिससे यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक होगा एवं मानसिक रूप से आप पूर्ण प्रसन्न रहेंगे।

तृतीय मास
18/04/2026 02:48:11 से 19/05/2026 01:00:23 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	शतभिषा	11:53:12
सूर्य		मेष	अश्विनी	03:38:31
चन्द्र		मेष	अश्विनी	09:03:59
मंगल		मीन	उ०भाद्रपद	12:02:38
बुध		मीन	उ०भाद्रपद	09:45:11
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	23:02:46
शुक्र		मेष	कृतिका	28:07:13
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	13:23:31
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	13:39:27
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	13:39:27
मुंथा		तुला	विशाखा	23:33:18

मासाधिपति

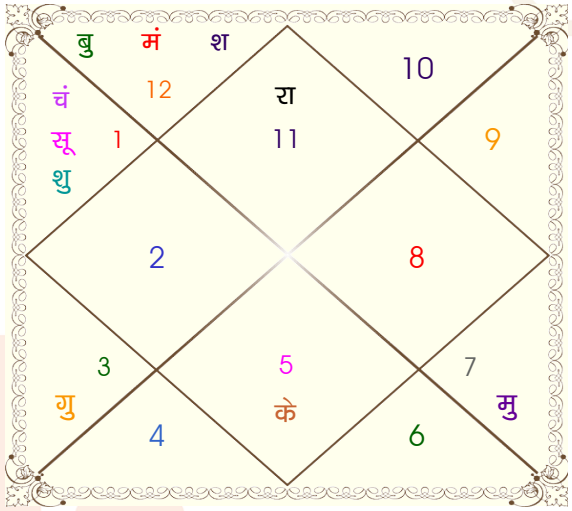

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए अत्यंत ही सुख एवं सौभाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धन लाभ अर्जित करेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे जिससे आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सम्पन्न होंगे। इस मास में आप घर में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकते हैं। सन्तति पक्ष से भी आप सुखी रहेंगे तथा इनका आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा इनका पूजन एवं सम्मान करने के लिए आप तत्पर रहेंगे। इस मास में समाज में आपका यश भी दूर दूर तक व्याप्त रहेगा तथा भाग्योदय सम्बन्धी कार्यों में वृद्धि तथा उन्नति होगी। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता की प्रबलता रहेगी एवं दूर समीप की आप कोई लाभदायक यात्रा भी सम्पन्न करेंगे। मित्र तथा बन्धुवर्ग से इस समय सम्बन्धों में घनिष्ठता होगी। इसके अतिरिक्त आप सर्वत्र मान प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे।

इसके साथ ही इस मास में आप शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी प्राप्त करेंगे इससे आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा वातोत्पन्न रोगों से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि का भी भय होगा जिससे हानि की आशंका बनी रहेगी। अतः संयम एवं सर्तकता पूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

चतुर्थ मास

19/05/2026 01:00:23 से 19/06/2026 08:22:36 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	शतभिषा	16:27:23
सूर्य		वृष	कृतिका	03:38:31
चन्द्र		मिथुन	मृगशिरा	01:50:39
मंगल		मेष	अश्विनी	05:40:53
बुध		वृष	कृतिका	08:46:28
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	27:27:49
शुक्र		मिथुन	मृगशिरा	05:29:42
शनि		मीन	रेवती	16:48:31
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	10:45:51
केतु	व	सिंह	मघा	10:45:51
मुंथा		तुला	विशाखा	26:03:18

मासाधिपति

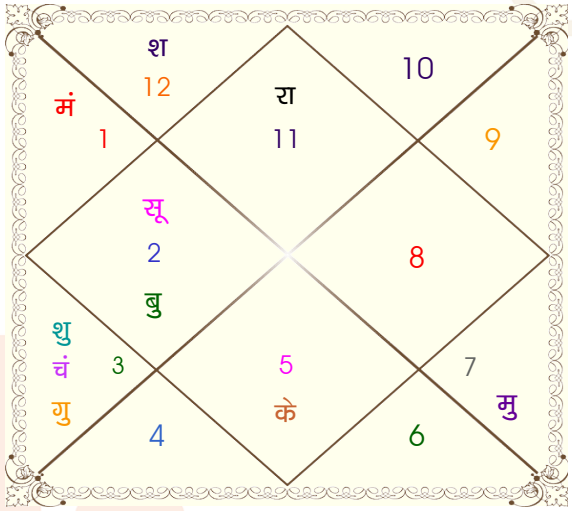

मासाधिपति : बुध

यह मास आपके लिए पूर्ण रूपेण शुभ फल दायक रहेगा। इस समय आपके उच्चाधिकारी वर्ग आपसे सन्तुष्ट एवं प्रसन्न रहेंगे।फलतः आप किसी सम्माननीय पद को प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे। धनार्जन इस समय प्रचुर मात्रा में होगा तथा सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको धन लाभ हो सकेगा। इस मास आपके घर में कोई धार्मिक कार्यक्रम भी सम्पन्न होने की सम्भावना रहेगी। साथ ही स्त्री एवं पुत्र से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा यत्नपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। समाज में इस समय आपकी यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा अधिकांश रूप से भाग्योदय सम्बन्धी कार्य सम्पन्न होंगे। इस मास आपकी बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि होगी तथा लाभदायक यात्राओं का भी योग बनेगा। साथ ही मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर सम्बन्ध रहेंगे। इस प्रकार आप सर्वत्र मानप्रतिष्ठा अर्जित करेंगे तथा सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक समय व्यतीत करेंगे।

साथ ही इस समय गृहस्थ सुख उत्तम रहेगा एवं नवीन वस्त्रों या अन्य द्रव्यों को प्राप्त करन में भी सफल रहेंगे एवं आनंदपूर्वक अपने सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करेंगे।

पंचम् मास
19/06/2026 08:22:36 से 20/07/2026 19:13:31 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	आश्लेषा	17:50:13
सूर्य		मिथुन	मृगशिरा	03:38:31
चन्द्र		कर्क	आश्लेषा	28:59:22
मंगल		मेष	कृतिका	28:48:26
बुध		मिथुन	पुनर्वसु	27:50:22
गुरु		कर्क	पुष्य	03:25:51
शुक्र		कर्क	पुष्य	12:21:15
शनि		मीन	रेवती	19:20:23
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	07:40:48
केतु	व	सिंह	मघा	07:40:48
मुंथा		तुला	विशाखा	28:33:18

मासाधिपति

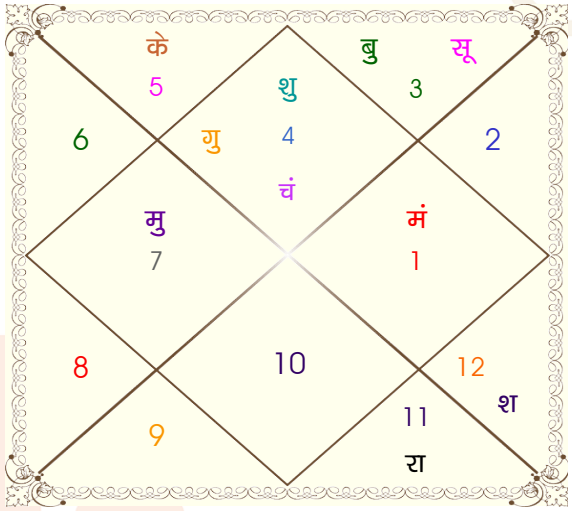

मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा अशुभ फल अधिक मात्रा में होंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आपको शारीरिक कष्टानुभूति होगी। साथ ही शत्रु वर्ग से भी आप भयभीत एवं चिन्तित रहेंगे जिससे आप मानसिक रूप से भी अशान्त रहेंगे। पारिवारिक जनों से भी इस समय आपके मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा अनावश्यक रूप से संबधों में तनाव विद्यमान रहेगा। आपके व्यापार या कार्यक्षेत्र में भी हानि या मंदी के योग बनेंगे। साथ ही स्थान या कार्य क्षेत्र में परिर्वतन भी कर सकते है। समाज में भी अधिकाशं लोगों से आपके विवाद होते रहेंगे जिसके कारण उनसे कटुता का व्यवहार रहेगा फलतः आपके समाजिक सम्मान में अल्पता आएगी। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग तथा धन हानि भी हो सकती है।

साथ ही इस मास गर्मी या पित्तादि दोषों से भी अस्वस्थ रहेंगे। इस समय किसी कारण से रक्त विकार होने की भी संभावना रहेगी इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी किसी प्रकार से धन हानि हो सकती है। अतः इस समय आप सावधानी एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

षष्ठ मास

20/07/2026 19:13:31 से 21/08/2026 02:49:14 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	श्रवण	16:01:11
सूर्य		कर्क	पुष्य	03:38:31
चन्द्र		कन्या	चित्रा	23:22:07
मंगल		वृष	रोहिणी	21:02:20
बुध	व	मिथुन	पुनर्वसु	22:36:09
गुरु		कर्क	पुष्य	10:12:07
शुक्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	17:41:46
शनि		मीन	रेवती	20:29:10
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	06:03:03
केतु		सिंह	मघा	06:03:03
मुंथा		वृश्चिक	विशाखा	01:03:18

मासाधिपति

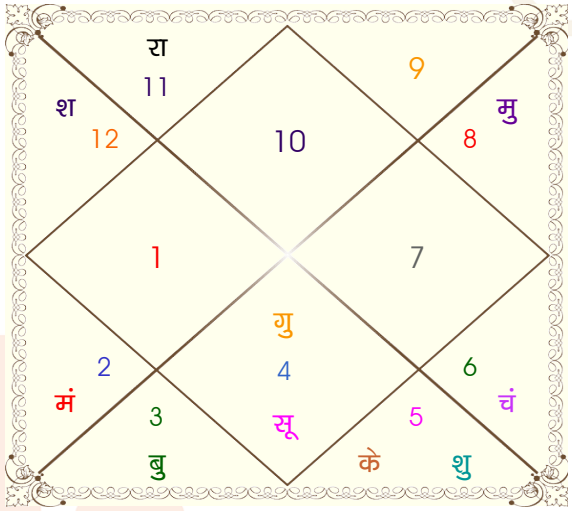

मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक रहेगा इस समय स्त्री वर्ग से आपको पूर्ण लाभ प्राप्त होगा तथा आपके सौभाग्य में भी वृद्धि होगी। जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथासमय सिद्ध होंगे फलतः मानसिक रूप से आप सन्तुष्ट तथा शान्त रहेंगे। साथ ही सरकार तथा उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप उचित लाभ एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी इस समय उत्तम रहेगा एवं ज्ञानार्जन के क्षेत्र में भी आप रुचिशील रहेंगे तथा इसको प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। साथ ही मित्र एवं बन्धु वर्ग से भी आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे पूर्ण लाभ तथा सहयोग अर्जित करेंगे। इस मास में आप इच्छित द्रव्यों की भी प्राप्ति करेंगे तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे संतति पक्ष से भी आप सुख तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। सामाजिक जनों के मध्य आप इस समय मान सम्मान प्राप्त करेंगे तथा आपके विलम्बित कार्य भी इस समय पूर्ण होंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला सहयोगियों से वांछित सहयोग तथा लाभार्जन करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा एवं प्रचुर मात्रा में धन तथा सुख प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस मास में आप धर्मानुपालन में भी प्रवृत रहेंगे एवं समाज में यथोचित प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे।

सप्तम् मास
21/08/2026 02:49:14 से 21/09/2026 01:24:34 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	पुनर्वसु	29:03:45
सूर्य		सिंह	मघा	03:38:31
चन्द्र		वृश्चिक	अनुराधा	12:09:54
मंगल		मिथुन	आर्द्रा	12:01:37
बुध		कर्क	आश्लेषा	26:35:08
गुरु		कर्क	आश्लेषा	17:05:49
शुक्र		कन्या	हस्त	19:22:50
शनि	व	मीन	रेवती	19:59:32
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:35:41
केतु	व	सिंह	मघा	05:35:41
मुंथा		वृश्चिक	अनुराधा	03:33:18

मासाधिपति

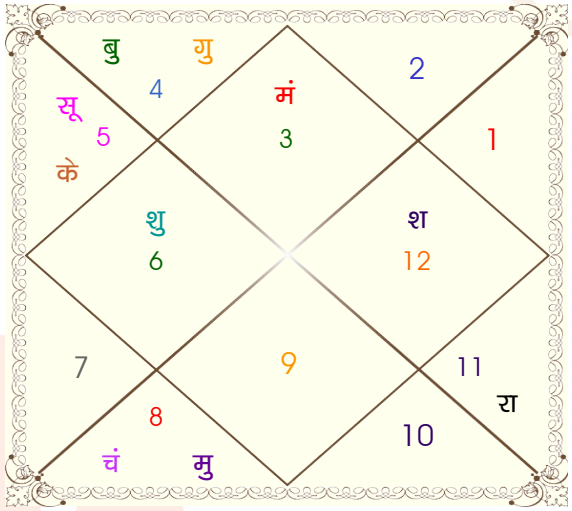

मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए शुभ की अपेक्षा अशुभ ही अधिक रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा साथ ही शत्रु पक्ष के बलवान होने से आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मन में अशान्ति रहेगी। इस मास में आपके घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी। साथ ही ऐसे समय में उच्चाधिकारी वर्ग की भी उपेक्षा न करें एवं उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करें अन्यथा आपको दण्डित भी किया जा सकता है। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस समय अल्प मात्रा में ही सिद्ध होंगे तथा असफलता अधिक मिलेगी। साथ ही इस समय धन का व्यय भी अधिक मात्रा में करेंगे अतः न्यूनाधिक आर्थिक संकट भी बना रहेगा। इस मास में आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न कर सकते है जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इस समय आपके मित्र तथा संबधियों से मधुर संबध अल्प रहेंगे तथा तनाव अधिक रहेगा तथा आप सामाजिक उपेक्षा भी प्राप्त करेंगे एवं आपकी आशाएं भी अपूर्ण ही रहेंगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप स्त्री तथा पुत्र से वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही इस मास में नवीन वस्त्र या द्रव्य भी अर्जित करने में सफल हो सकते है। इससे आप अल्प मात्रा में मानसिक सन्तुष्टि तथा शान्ति प्राप्त कर सकेंगे।

अष्टम् मास
21/09/2026 01:24:34 से 21/10/2026 11:51:52 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	07:12:21
सूर्य		कन्या	उ०फाल्गुनी	03:38:31
चन्द्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	25:05:17
मंगल		कर्क	पुनर्वसु	01:25:48
बुध		कन्या	हस्त	22:00:00
गुरु		कर्क	आश्लेषा	23:28:11
शुक्र		तुला	स्वाति	11:29:42
शनि	व	मीन	रेवती	18:07:38
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	05:18:21
केतु		सिंह	मघा	05:18:21
मुंथा		वृश्चिक	अनुराधा	06:03:18

मासाधिपति

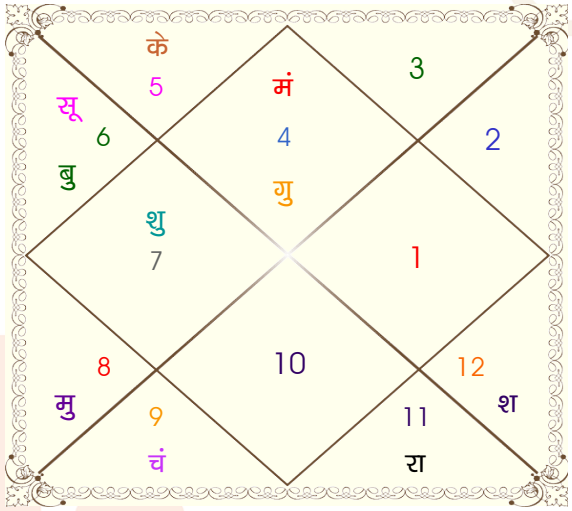

मासाधिपति : शनि

यह महीना आपके लिए शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि होगी तथा सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से ही सम्पन्न होंगे। इस मास में संतति पक्ष से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। साथ ही अन्य प्रकार से भी आपको द्रव्य लाभ का योग बनेगा। इस समय समाज में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में सम्पन्न होंगे तथा अच्छे समाचारों को भी आप सुनेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण आस्था रहेगी तथा श्रद्धापूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य या उच्चाधिकारी वर्ग से आप लाभार्जन करने में भी सफल हो सकते हैं। इस समय आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में अभिबृद्धि होगी तथा समस्त मानसिक चिन्ताएं दूर होगी। अतः मन से आप पूर्ण सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे। इस समय आप नवीन वस्त्र या वस्तुओं को प्राप्त करने में भी सफल हो सकते हैं। इस प्रकार यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा।

नवम् मास
21/10/2026 11:51:52 से 20/11/2026 10:23:57 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	पूर्वाषाढ़ा	25:39:52
सूर्य		तुला	चित्रा	03:38:31
चन्द्र		कुम्भ	धनिष्ठा	02:31:18
मंगल		कर्क	आश्लेषा	18:48:28
बुध		तुला	विशाखा	26:10:46
गुरु		कर्क	आश्लेषा	28:39:29
शुक्र	व	तुला	स्वाति	08:16:01
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	15:47:03
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	03:49:25
केतु		सिंह	मघा	03:49:25
मुंथा		वृश्चिक	अनुराधा	08:33:18

मासाधिपति

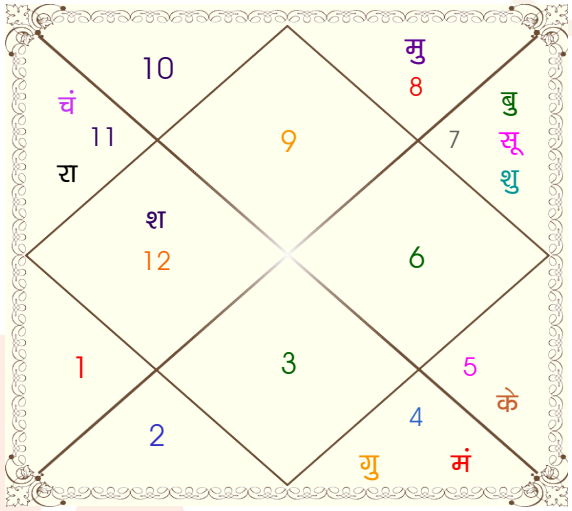

मासाधिपति : शनि

यह महीना आपके लिए अशुभ तथा परेशानियां उत्पन्न करने वाला रहेगा। इस समय आपका व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा दुष्ट मनुष्यों से आपका मेल मिलाप रहेगा। साथ ही आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। इस मास में आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में अत्यंत परिश्रम करने पर भी सफलता अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी। धर्म के प्रति भी आपमें श्रद्धा की भावना नहीं रहेगी एवं धन हानि के योग भी बनते रहेंगे। मित्रों एवं बन्धुओं से आपके संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे एवं उनसे किसी भी प्रकार का सुख या सहयोग नहीं मिलेगा। इस मास में आप जो भी कार्य प्रारम्भ करेंगे उसमें आपको व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा जिससे मानसिक रूप से आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही शत्रुओं से भी आप भयभीत एवं चिन्तित रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपके संकल्प भी इस समय अपूर्ण ही रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित से उत्पन्न होने वाले रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा रक्त विकार की भी संभावना हो सकती है। अतः इस मास में शारीरिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें तथा अपने कार्यो को भी बुद्धिमता पूर्वक सम्पन्न करें।

दशम् मास
20/11/2026 10:23:57 से 20/12/2026 00:18:26 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	उत्तराषाढ़ा	03:25:13
सूर्य		वृश्चिक	अनुराधा	03:38:31
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	05:13:59
मंगल		सिंह	मघा	03:22:26
बुध		तुला	स्वाति	14:11:16
गुरु		सिंह	मघा	01:57:25
शुक्र		कन्या	चित्रा	29:22:16
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	14:04:55
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	00:50:41
केतु	व	सिंह	मघा	00:50:41
मुंथा		वृश्चिक	अनुराधा	11:03:18

मासाधिपति

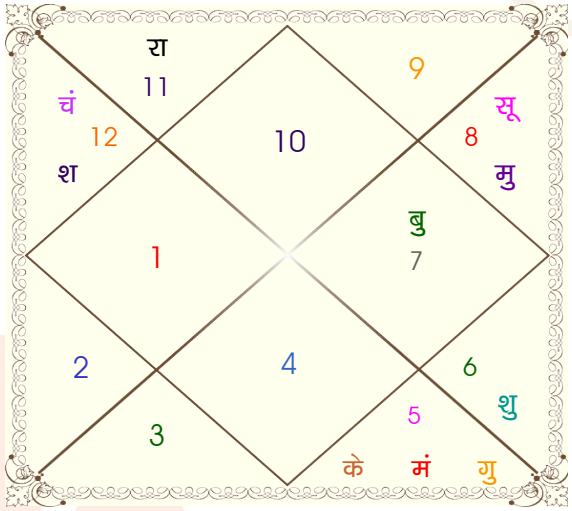

मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ फल दायक रहेगा परन्तु न्यूनाधिक अशुभ फल भी होंगे। इस समय आप स्त्रीवर्ग से पूर्ण लाभ तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे तथा आपके भाग्य में भी वृद्धि होगी जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य समय पर पूर्ण होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। इस मास में आपका स्वास्थ्य ठीक ही रहेगा तथा मन में भी शान्ति रहेगी। अध्ययन के प्रति भी आप की रूचि उत्पन्न होगी तथा इसमें आप सफलता भी प्राप्त करेंगे। मित्रों एवं संबधियों से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे आपको इच्छित सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इस मास में आप को मनोवांछित द्रव्य पदार्थो की भी प्राप्ति होगी। इसके अतिरिक्त बन्धुवर्ग में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा विगत असफल आशाओं में भी सफलता प्राप्त करेंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप गर्मी या पितरोगों से शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही रूधिर विकार की भी संभावना रहेगी। अतः इस समय शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सावधान रहें तथा बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

एकादश मास

20/12/2026 00:18:26 से 18/01/2027 11:00:00 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	हस्त	12:03:15
सूर्य		धनु	मूल	03:38:31
चन्द्र		मेष	अश्विनी	04:47:25
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	13:28:17
बुध		वृश्चिक	ज्येष्ठा	26:24:20
गुरु	व	सिंह	मघा	02:42:49
शुक्र		तुला	स्वाति	17:41:39
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	13:45:56
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	27:54:23
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	27:54:23
मुंथा		वृश्चिक	अनुराधा	13:33:18

मासाधिपति

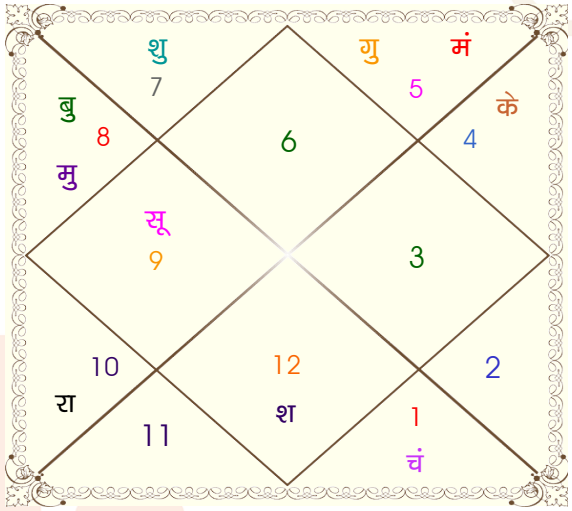

मासाधिपति : बुध

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ ही रहेगा तथापि अशुभ फल भी अल्प मात्रा में होते रहेंगे। इस समय आप अपने पराक्रम से धन अर्जित करने में सफल रहेंगे तथा विविध प्रकार से सुखों का उपभोग भी करेंगे। समाज में आपके यश एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी श्रेष्ठता को स्वीकार करेंगे एवं आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। साथ ही समाज में आप लोगों की भलाई के कार्यो को करने में भी तत्पर रहेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी ठीक ही रहेगा। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग तथा सम्मान प्राप्त होगा तथा अन्य लोग भी आपकी प्रभुता को स्वीकार करेंगे। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। इसके अलावा इस समय आपकी चिर प्रतीक्षित मनोकामनाएं भी पूर्ण होगी जिससे मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

परन्तु इस मास में आपको यदाकदा अशुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप गर्मी या पित द्वारा उत्पन्न रोगों से कष्ट प्राप्त कर सकते है। साथ ही रूधिर विकार का भी भय रहेगा। अतः इस मास में शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सतर्क रहें तथा संयम पूर्वक अपने कार्य कलापों को संपन्न करें।

द्वादश मास

18/01/2027 11:00:00 से 17/02/2027 00:39:28 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	रेवती	27:18:58
सूर्य		मकर	उत्तराषाढ़ा	03:38:31
चन्द्र		वृष	कृतिका	03:56:38
मंगल	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	15:48:27
बुध		मकर	श्रवण	14:08:32
गुरु	व	सिंह	मघा	00:44:37
शुक्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	17:22:46
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	14:59:34
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	26:29:39
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	26:29:39
मुंथा		वृश्चिक	अनुराधा	16:03:18

मासाधिपति

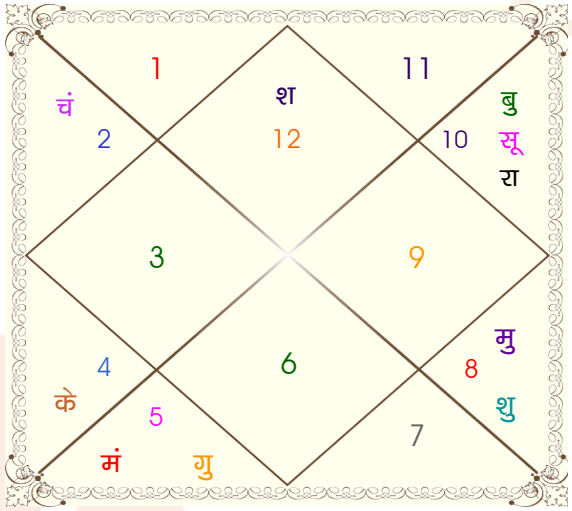

मासाधिपति : चन्द्र

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होंगे। इस समय आपके उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको पूर्ण सहयोग तथा सम्मान प्राप्त होगा। अतः आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथासमय सिद्ध होंगे।साथ ही प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे। आपके घर में इस मास में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी हो सकता है। सन्तति पक्ष से आप पूर्ण सुखी रहेंगे तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपकी अनन्य श्रद्धा रहेगी तथा नियम पूर्वक आप उनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। समाज में सर्वत्र इस समय आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा भाग्योन्नति संबधी शुभ कार्य भी सम्पन्न होंगे।आपकी बुद्धि इस समय निर्मल रहेगी तथा लाभदायक यात्रा का भी इस मास में योग बनेगा ।साथ ही सरकारी तंत्र से लाभार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा समाज से पूर्ण सम्मान प्राप्त करेंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ यदाकदा आपको अशुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप गर्मी या पित से उत्पन्न रोगों के द्वारा शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा अन्य कारणों से रक्त विकार की भी संभावना रहेगी।अतः शारीरिक सुरक्षा का ध्यान रखें तथा अपने कार्य कलापों को बुद्धिमता से सम्पन्न करें।